संस्कृतविभाग

आर्य महिला पी. जी. कॉलेज, वाराणसी

विभागीय विवरण

भारतीय संस्कृति का मूल संस्कृत शास्त्रों तथा संस्कृत साहित्य में सन्निहित है। राष्ट्र में भारतीय संस्कृति को प्रतिष्ठित करने तथा चतुर्दश भारतीय विद्याओं के ज्ञान के साथ विश्व में भारत वर्ष की प्रतिष्ठा वृद्धि के लिए संस्थापकों ने संस्कृत विद्या से स्त्रीशाक्ति को सुशिक्षित करना आवश्यक समझा। संस्था की स्थापना का यह लक्ष्य "अर्द्धं भार्या मनुष्यस्य" इस आदर्शवाक्य में प्रकाशित होता है। महाविद्यालय की स्थापना का यह लक्ष्य विपुल संस्कृत शास्त्रों तथा संस्कृत साहित्य के अध्ययन के साथ ही सम्पूर्ण हो सकता है। अतः महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही वर्ष 1958 में यहाँ संस्कृत विषय से स्नातक, वर्ष 2008 से परास्नातक तथा वर्ष 2014 से शोधकार्य का प्रारम्भ कर अध्ययन-अध्यापन का क्रम संचालित किया जा रहा है।

- आर्य महिला पी० जी० कालेज के संस्कृतविभाग एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में प्राचार्या प्रो० रचना दूबे के निर्देशन में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृत अध्ययन केन्द्र द्वारा संस्कृत सम्भाषण का सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स संचालित किया जा रहा है। जिसमें छात्राओं को

संस्कृत सम्भाषण के प्रयोग में आने वाले सामग्रियों के संस्कृत में नाम, विज्ञान क्षेत्र में संस्कृत की उपादेयता विषयक चित्रप्रदर्शिनी लगायी जाती है तथा निःशुल्क पुस्तक वितरण किया जाता है।

- **विश्व के कल्याण के लिए भारतवर्ष के ऋषियों द्वारा प्रवर्तित वैदिक-यज्ञ के प्रयोग की परम्परा वर्तमान समय में लुप्त होती जा रही है। सांस्कृतिक अध्ययन एवं शोधकेन्द्र 'ज्ञानप्रवाह', वाराणसी में विश्व शान्ति एवं राष्ट्र की समृद्धि के उद्देश्य से 'मित्रविन्दा इष्टि' का प्रयोग प्रतिवर्ष होता है। यज्ञप्रयोग के अवलोकन तथा उसकी सूक्ष्मताओं और निहितार्थों के ज्ञान के लिए संस्कृत-विभाग की सभी प्राध्यापिकाओं तथा संस्कृत विषय के उच्च अध्ययन के लिए संकल्पित छात्राओं को उक्त प्रयोग के अवसर पर आयोजन स्थल पर ले जाया जाता है।**

- **आर्य महिला पी0 जी0 कालेज, संस्कृतविभाग द्वारा प्रतिवर्ष पाठचर्या, विशिष्ट व्याख्यान, शोधच्छात्र-संगोष्ठी, राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी, संस्कृत-छात्रप्रतियोगिताएँ (श्लोकान्त्याक्षरी, अष्टाध्यायी सूत्रान्त्याक्षरी, स्तोत्रगान), रामचरितमानस प्रतियोगिता, संस्कृत-सम्भाषणआदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।**

संस्कृत – विभाग
छात्र – स्पर्द्धाएँ

आर्य महिला पी.जी. कॉलेज, वाराणसी
संस्कृतविभाग
संस्कृतपाठ्यचर्या–कार्यक्रम
(INDUCTION PROGRAMME)
विशिष्ट वक्ता– प्रो. राजीव रंजन सिंह

आर्य महिला पी०जी० कॉलेज
वाराणसी
संस्कृतविभाग
SHOT ON OPPO
Varanasi India

Vasant Kanya Mahavidyalaya
ernal Quality Assurance Cell (IQAC)

- ज्ञान-प्रवाह (सांस्कृतिक अध्ययन एवं शोध केन्द्र, के प्रेरणा-प्रवाह प्रकल्प के अन्तर्गत प्रतिवर्ष आयोजित श्रीमद्भगवद्गीता कण्ठस्य पाठ-प्रोत्साहन प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। जिसका उद्देश्य छात्राओं में भारतीय संस्कृति एवं जीवन दर्शन के प्रति अभिरुचि जागृत करना है। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं को प्रतिभागिता हेतु श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों के शुद्ध उच्चारण, छन्द-ज्ञान एवं अभ्यास प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं द्वारा कराया जाता है।

- **संस्कृतविभाग द्वारा प्रतिवर्ष वाल्मीकि जयन्ती, विश्व संस्कृत-दिवस, गीता जयन्ती, विश्व जल दिवस, विश्व गौरैया दिवस, श्रीहनुमान जयन्ती, शिक्षक दिवस, अन्तरराष्ट्रीय महिला-दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।**

छात्राओं को भगवत गीता के विषय-वस्तु से कराया अवगत

वाराणसी। संस्कृत विभाग आर्य महिला पीजी कॉलेज के द्वारा शनिवार को ''गीता जयन्ती'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'श्रीमद्भगवीता के द्वितीय अध्याय का सस्वर पाठ' शिक्षणवर्ग के साथ-साथ स्नातक एवं स्नातकोत्तर की छात्राओं ने पूर्ण मनोयोग से किया। प्रो. जया मिश्रा ने छात्राओं को भगवत गीता के विषय-वस्तु से अवगत कराते हुए कहा कि गीता का उद्देश्य ही परमात्मा के ज्ञान, आत्मा के ज्ञान और सृष्टि विधान के ज्ञान को स्पष्ट करना है। गीता वास्तव में चरित्र निर्माण का सबसे बड़ा और उत्तम शास्त्र है। पाठ के अनन्तर छात्राओं ने भी कृष्ण-स्तुति से सम्बन्धित स्तोत्रों का गान किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रचना दूबे, डॉ. दिव्या, डॉ. नागमणि त्रिपाठी, डॉ. प्रिया झा, विजय शर्मा आदि के साथ 110 छात्रायें उपस्थित थीं। संचालन डॉ. पुष्पा त्रिपाठी व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुजाता पटेल ने किया।

- **ज्ञान-प्रवाह संस्था की ओर से प्रतिवर्ष प्रकल्पित संस्कृतनाट्य प्रस्तुति में संस्कृत-विभाग की छात्राएँ विभिन्न भूमिकाओं का निर्वहन करती हैं।**

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित “युवा महोत्सव- स्पंदन” को दृष्टि में में रखते हुए महाविद्यालयीय "अभ्युदय" युवा महोत्सव के अन्तर्गत संस्कृत विभाग द्वारा विभिन प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं, जिसमें संस्कृतनिबन्धस्पर्धा, वाद-विवादस्पर्धा, संस्कृत भाषणस्पर्धा, स्वरचित संस्कृत काव्यपाठस्पर्धा आदि में प्रतिभाग के लिए छात्राओं की समुचित तैयारी करायी जाती है।

- कार्यस्थल पर कर्मचारियों के कौशल, मानसिक स्वास्थ्य और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाकर उन्हें अधिक सक्षम और प्रेरित बनाने के उद्देश्य से संस्कृतविभाग द्वारा "स्टॉफ इंरिचमेण्ट एण्ड इम्पावरमेण्ट कमेटी" की ओर से महाविद्यालय के शिक्षण एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए प्रतिवर्ष विभिन्न विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

शारीरिक व मानसिक व्याधियां दूर करने में महत्वपूर्ण है आयुर्वेद

वाराणसी (एसएनबी)। स्टॉफ इंरिचमेंट एंड इम्पावरमेंट कमेटी, आर्य महिला पीजी कालेज की ओर से शनिवार को महाविद्यालय के महर्षि ज्ञानानन्द सभागार में 'कायचिकित्साः महिला स्वास्थ्य' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गयी। इसमें बीएचयू, आयुर्वेद काय चिकित्सा, पंचकर्म विभाग के डा. विजय कुमार श्रीवास्तव ने विभिन्न रोगों के कारण व उपचार के उपायों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आयुर्वेद शारीरिक और मानसिक व्याधियों को दूर करने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दुष्प्रभाव ने लोगों की क्षमता को क्षीण किया है, जिससे शारीरिक तथा मानसिक व्याधियां शरीर एवं मन को संक्रमित कर रही हैं। हमें भारतीय चिकित्सा पद्धति द्वारा औषधि सेवन, पंचकर्म, आसन-प्राणायाम अपनाना चाहिए। इससे मधुमेह, वातरोग, उदररोग, हृदयरोग, मानसिक रोग के नियमित उपचार से शक्ति मिलती है और पीड़ित रोगमुक्त हो जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधक डा. शशिकान्त दीक्षित ने आधुनिक एवं पारम्परिक आयुर्वेद की चिकित्सा विधि को स्थिति के अनुसार अपेक्षित बताते हुए आयुर्वेद की विधि को निरापद तथा मानव के लिए अत्यन्त अनुकूल बताया। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत कार्यवाहक प्राचार्या एवं समिति की संयोजिका प्रो. चन्द्रकांता राय, संचालन प्रो. जया मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 पुष्पा त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में प्रो. बिन्दु लाहिड़ी, प्रो. सुचिता त्रिपाठी, डा. मंजू बनिक, सुधाकर शुक्ला, वेद प्रकाश पांडेय, सुभाष मिश्रा डा. रिचा मिश्रा, डा. दिव्या, डा. सुजाता, सुश्री भावना पांडेय, डा. नागमणि त्रिपाठी, डा. सुनिता यादव, अनुराधा, निशीथ मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

आर्थिक सशक्तिकरण में महिलाओं की होती है मुख्य भूमिका

वाराणसी। स्टॉफ इंरिचमेंट एंड इम्पावरमेंट कमेटी, आर्य महिला पीजी कॉलेज एवं एडवाइजर्स ऑर्गनाइजेशन पुणे के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के कांफ्रेंस हॉल में एडवाइजर्स ऑर्गनाइजेशन की ओर से आये मिराये एसेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स प्रा लि के ब्रांच प्रमुख विनायक कुमार मिश्र ने कहा कि महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण में मुख्य भूमिका होती है। महिलाएं आर्थिक स्वावलम्बन, राजनैतिक भागीदारी व सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कारकों पर नियंत्रण पा रहीं है। महिलाएं अधिकारों व जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक है। महिलाओं को बचत के विभिन्न आयामों एफडी, पीपीएफ, एनपीएस, स्वर्ण निवेश आदि के साथ एसआईपी और म्युचुअल फंड में भी निवेश करना चाहिए। महिलाओं को आर्थिक लक्ष्य के प्रति सजग रहने की आवश्यकता है। स्वागत भाषण प्राचार्या प्रो. रचना दूबे ने किया। संचालन डॉ. दिव्या तथा वैदिक मंगलाचरण एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नागमणि त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में प्रो. सुचिता त्रिपाठी, डॉ. पूनम जायसवाल, डॉ. मंजू मेहरोत्रा, डॉ. सुनीता यादव, डॉ. ममता यादव, डॉ. एकता गुप्ता, डॉ. अपर्णा पांडेय, मीडिया सेल की डॉ. अनामिका सिंह, श्रद्धा पोखरियाल, मीनू यादव, मनीषा गुप्ता, शाम्भवी शुक्ला, डॉ. अरिमा त्रिपाठी, डॉ. रितु कयाल, विवेक तिवारी, अनुराधा, निशीथ मिश्रा मौजूद रहे।

- नई शिक्षा नीति (NEP) के अन्तर्गत स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं के लिए “विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (INTERNSHIP PROGRAM)” अनिवार्य किया गया है, इसके लिए संस्कृतविभाग द्वारा विभिन्न संस्थाओं से संपर्क करके छत्राओं की समुचित व्यवस्था की जा रही है।

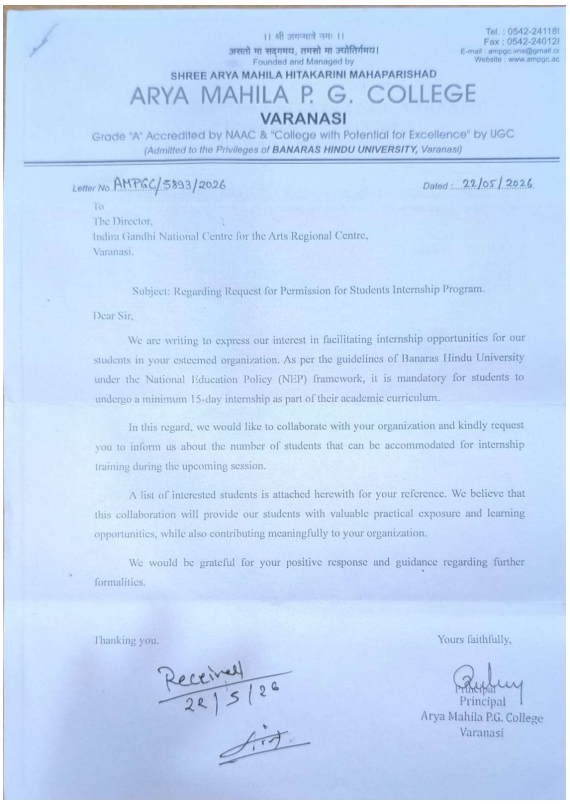

।। श्री जगन्मात्रे नमः ।।
असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय।
Founded and Managed by
SHREE ARYA MAHILA HITAKARINI MAHAPARISHAD
ARYA MAHILA P. G. COLLEGE
VARANASI
Grade "A" Accredited by NAAC & "College with Potential for Excellence" by UGC
(Admitted to the Privileges of BANARAS HINDU UNIVERSITY, Varanasi)

Tel. : 0542-24118
Fax : 0542-24012
E-mail : ampgc.vns@gmail.c
Website : www.ampgc.ac

Letter No. AMPGC/5893/2026 Dated : 22/05/2026

To
The Director,
Indira Gandhi National Centre for the Arts Regional Centre,
Varanasi.

Subject: Regarding Request for Permission for Students Internship Program.

Dear Sir,

We are writing to express our interest in facilitating internship opportunities for our students in your esteemed organization. As per the guidelines of Banaras Hindu University under the National Education Policy (NEP) framework, it is mandatory for students to undergo a minimum 15-day internship as part of their academic curriculum.

In this regard, we would like to collaborate with your organization and kindly request you to inform us about the number of students that can be accommodated for internship training during the upcoming session.

A list of interested students is attached herewith for your reference. We believe that this collaboration will provide our students with valuable practical exposure and learning opportunities, while also contributing meaningfully to your organization.

We would be grateful for your positive response and guidance regarding further formalities.

Thanking you.

Received
22/5/26

Yours faithfully,

Principal
Principal
Arya Mahila P.G. College
Varanasi

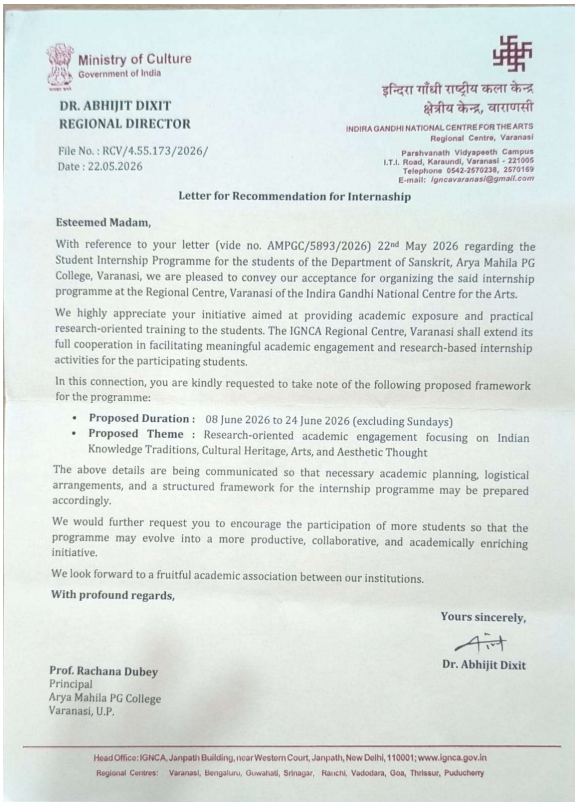

Ministry of Culture
Government of India

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी
INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS
Regional Centre, Varanasi
Parshvanath Vidyapeeth Campus
I.T.I. Road, Karaundi, Varanasi - 221005
Telephone 0542-2570238, 2570169
E-mail: igncavaranasi@gmail.com

DR. ABHIJIT DIXIT
REGIONAL DIRECTOR

File No. : RCV/4.55.173/2026/
Date : 22.05.2026

Letter for Recommendation for Internaship

Esteemed Madam,

With reference to your letter (vide no. AMPGC/5893/2026) 22nd May 2026 regarding the Student Internship Programme for the students of the Department of Sanskrit, Arya Mahila PG College, Varanasi, we are pleased to convey our acceptance for organizing the said internship programme at the Regional Centre, Varanasi of the Indira Gandhi National Centre for the Arts.

We highly appreciate your initiative aimed at providing academic exposure and practical research-oriented training to the students. The IGNCA Regional Centre, Varanasi shall extend its full cooperation in facilitating meaningful academic engagement and research-based internship activities for the participating students.

In this connection, you are kindly requested to take note of the following proposed framework for the programme:

- **Proposed Duration :** 08 June 2026 to 24 June 2026 (excluding Sundays)
- **Proposed Theme :** Research-oriented academic engagement focusing on Indian Knowledge Traditions, Cultural Heritage, Arts, and Aesthetic Thought

The above details are being communicated so that necessary academic planning, logistical arrangements, and a structured framework for the internship programme may be prepared accordingly.

We would further request you to encourage the participation of more students so that the programme may evolve into a more productive, collaborative, and academically enriching initiative.

We look forward to a fruitful academic association between our institutions.

With profound regards,

Yours sincerely,

Dr. Abhijit Dixit

Prof. Rachana Dubey
Principal
Arya Mahila PG College
Varanasi, U.P.

Head Office: IGNCA, Janpath Building, near Western Court, Janpath, New Delhi, 110001; www.ignca.gov.in
Regional Centres: Varanasi, Bengaluru, Guwahati, Srinagar, Ranchi, Vadodara, Goa, Thrissur, Puducherry